# Daily Gospel Reflections in Hindi

15 July 2019

## मत्ती 12:33-37

### DISCERN THE TREE FROM THE FRUITS

पेड़ अपने फल से पहचाना जाता है– यह एक प्रायोगिक बात है– जैसा पेड़, वैसा फल। यह प्रभु ने तब कहा जब फरीसी लोग उनके खिलाफ बोल रहे थे। फरीसियों ने कहा था कि प्रभु बेलजेबुल की सहायता से अपदूतों को निकालते है। पेड़ अपने फल से पहचाना जाता है– प्रभु ने यह तुलनात्मक रूप से कहा– फरीसी और प्रभु के बीच तुलना। फरीसी बुरे पेड़ है (Mt 12:34) ऊपर से वे ईश निन्दा भी करते है (Mt.12:31)। ईश–निन्दा का मतलब है– पवित्र आत्मा से प्रेरित किसी काम को शैतान से प्रेरित बताना (Slander against H. Spirit)। फरीसियों का कहना था कि प्रभु बेलजेबुल की सहायता से अपदूतों को निकालते है। यहां नबी एजेकिएल की भविष्यवाणी सटीक बैठती है– ''उसके पदाधिकारी... गरजने वाले सिंह की तरह है। उन्होंने उनका धनकोष ओर बहुमूल्य पदार्थ छीने है।.... उसके यहां के पदाधिकारी भेड़ियों के सदृश्य है'' (Ez. 22:25-27)। प्रभु बखूबी जानते थे कि फरीसियों और नेताओं का चरित्र क्या है। तभी तो वे कहते है– झूठे नबियों से सावधान रहो। वे भेड़ों के वेश में तुम्हारे पास आते है, किन्तु वे भीतर से खूंखार भेड़िये है''। उनके फलों से तुम उन्हें पहचान जाओंगे।'' (Mt 7:15-16)। हम कितना भी छिपाने की कोशिश करें, न्याय के दिन हर किसी को अपने हर एक हरकत का जवाब देना पड़ेगा (Mt.12:36)। प्रभु कहते है कि हर कोई अपनी ही बातों से निर्दोष या दोषी ठहराएगा। हर एक बार हम ने किसी के किसी अच्छे काम को बुरा बताया हो, वही बात हमें दोषी ठहराएगी। क्योंकि ''जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा और जिस नाप से तुम नापते हो। उसी से तुम्हारे लिए भी नापा जाएगा'' (Mt 7:2)।

Rev. Fr. Rojan Chirayath

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019